तो गन्ना 305 रुपये प्रति क्विंटल होगा

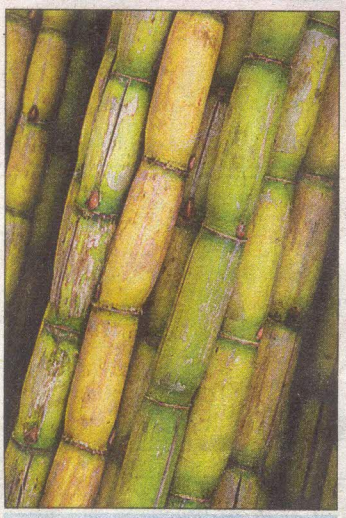

◆ उप्र के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव नवंबर में करेंगे इसका एलान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश सरकार गन्ना किसानों की वाहवाही लूटने के लिए राज्य समर्थित मूल्य 305 रुपये प्रति क्विंटल पर सहमति बनाने की कोशिश में जुट गई है। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री अखिलेश यादव नवंबर के आखिरी सप्ताह में मोहिउद्दीनपुर स्थित सरकारी चीनी मिल में पेराई सत्र का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद गन्ना मूल्य का एलान करेंगे। दरअसल गन्ना मूल्य का यह फार्मूला शाहजहांपुर के गन्ना अनुसंधान केंद्र की एक रिपोर्ट से निकला है।

उसके मुताबिक गन्ने की लागत पिछले साल के मुकाबले 23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी है। राज्य सरकार इसे जस का तस पिछले साल के एसएपी 280/290 रुपये में जोड़कर 303/313 की जगह राउंड अंक में 305/310 रुपये प्रति क्विंटल करने वाली है।

गन्ने पर राजनीति

नई दिल्ली : राज्य के 40 लाख गन्ना किसान परिवारों को प्रभावित करने के लिए राजनीतिक दल हर संभव कोशिश करने में जुटे हैं। यही वजह है कि चीनी उद्योग की चुनौतियों और उनकी कठिनाइयों को समझे बगैर राजनीतिक दल बयानबाजी कर किसानों को लुभाने में जुट गए हैं। विपक्ष में रहते जिस समाजवादी पार्टी ने गन्ने का मूल्य 350 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की थी, अब मूल्य का निर्धारण उसके लिए भारी पड़ने लगा है। किसानों को खुश करने में मिलों का बही खाता बिगड़ने का डर है। साथ ही, एरियर बढ़ने से किसानों को खुश करने का पासा उल्टा पड़ सकता है। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी बसपा चुप्पी साधे तमाशा देख रही है। कांग्रेस गन्ना मूल्य 350 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग कर रही है तो भाजपा एक कदम और आगे बढ़कर 400 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लगा रही है।केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार मुलायम सिंह, राजनाथ सिंह और अजित सिंह से चर्चा कर चुके हैं। पवार चाहते हैं कि सभी चीनी मिलों की वित्तीय हालत को भी ध्यान में रखें।

Dainik Jagaran

18/11/13